

सरवजीव सौर
अर्शदीप
जवनीत सौर

8/11/17
(Subinid S. P. 11)



पत्रावली का दिनांक 21/11/17 को अपीलकर्ता
की माता के उपस्थित होकर (कोर्ट के
कार्य पर तलब की गई) अपीलकर्ता (अपना)
जन्म सुदरी काली प्राग सरवजीव सौर की
साथ और पिताजी का सुदरी के साथ उपस्थित
कर। प्रार्थना-पत्र के तथ्यों के बारे में
दोष कम की निर्धारित किया जाना
शांतिम विपन्न विप) अपील में पदकारण
के प्रथम शरीरगत है यथा है, यह माना
करना। अपील के तदन विपन्न विपन्न
नामोत्कर्षक है किंवदंती/किराजी के किंवदंती
में के तथ्यों में किती भी प्रकार की उप। किंवदंती
ए-प्राप्तोही किती भी तथ्यों मानान्त में
उत्पत्ति के विरुद्ध नहीं कोरे। उपस्थित
सरवजीव का AADHAR के बायोमेट्रिक
सामान मानान्त सिद्धि किंवदंती वरनी
जई है तथ्यों पुर्वका के विरुद्ध पद-पत्र
किंवदंती है। पत्रावली जन्म शरीरगत
प्रमाण तथ्यों का लोक प्रमाण की मान
की अनुमति है किंतु यथा ही नही है।
प्रति

जिला कलेक्टर (प्रशासन)
श्रीगंगानगर